भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1114

05 दिसम्बर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुर्वेद चिकित्सा को बढ़ावा

1114. श्री अमरसिंग टिस्सो:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार असम के कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिलों में आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को बढ़ावा दे रही है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन जिलों में संचालित आयुष औषधालयों या केन्द्रों की संख्या कितनी है; और

(ग) देश के जनजातीय क्षेत्रों में आयुष स्वास्थ्य सेवा को सुदृढ़ करने के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) और (ख): सरकार असम के कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिलों में आयुर्वेद तथा अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा दे रही है। आयुष मंत्रालय राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना कार्यान्वित कर रहा है और इन दो जिलों में निम्नलिखित आयुष सुविधाएं कार्य कर रही हैं:

- **कार्बी आंगलोंग जिला:** 13 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) जो आहुटोली एससी, अमलोखी एससी, बागोरी एससी, बेंगलांगसो एससी, बोरलेंगरी एससी, कैपानी एससी, क्लरडंग एससी, कुली गांव एससी, नैलालुंग एससी, पश्चिम सुनपुरा एससी, फांगचेरोप एससी, रोंगकुट एससी और सिलिमखोवा एससी में हैं।

- **दीमा हसाओ जिला:** 13 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) जो बोरोलालबोंग एफडब्ल्यू एससी, डिगेरख्रो एफडब्ल्यू एससी, दिमादावापु एफडब्ल्यू एससी, दिसागिसिम एससी, खलीमडीसा एससी, खांगलुंग एफडब्ल्यू एससी, खंगनाम एफडब्ल्यू एससी, लैंगकुला एफडब्ल्यू एससी, लोबांग एफडब्ल्यू एससी, पेडिक एफडब्ल्यू एससी, रौटिला एससी, रियाची बंगलू एफडब्ल्यू एससी और थाईजुडिसाबरा एफडब्ल्यू एससी में है।

कार्बी आंगलोंग जिले के दीफू में 30 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पताल के लिए भी मंजूरी दी गई है।

(ग): राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के अंतर्गत, सरकार आयुष स्वास्थ्य देखभाल वितरण को सुदृढ़ करने के लिए, विशेष रूप से अल्पसेवित और जनजातीय क्षेत्रों में, असम सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के आधार पर अनुदान सहायता के माध्यम से

सहयोग दे रही है। एनएएम देश भर में आयुष बुनियादी ढांचे के विस्तार और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं तक पहुंच में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है।

एनएएम के तहत सहायता प्राप्त प्रमुख गतिविधियां निम्नानुसार हैं:

i. आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) का संचालन।
ii. पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पतालों में आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना।
iii. सरकारी आयुष अस्पतालों और औषधालयों का उन्नयन।
iv. 10/30/50 बिस्तरों वाले नए एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना।
v. सामुदायिक पहुंच के साथ आयुष सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों का कार्यान्वयन।

आयुष मंत्रालय, जनजातीय उप-योजना (टीएसपी) के तहत अपने स्वायत्त निकायों नामत: केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) और केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में आयुष स्वास्थ्य देखभाल वितरण को मजबूत कर रहा है।

केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) अपने श्रीनगर, भद्रक और कुरनूल स्थित चार केंद्रों के माध्यम से अनुसूचित जनजाति की आबादी को मोबाइल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करती है। प्रत्येक केंद्र, पांच आदिवासी-बहुल स्थानों की पहचान करता है, जहां यूनानी चिकित्सकों और कर्मचारियों की एक टीम स्वास्थ्य जांच, ओपीडी सेवाओं, स्वास्थ्य शिविरों और यूनानी उपचार के लिए नियमित रूप से दौरा करती है। व्याख्याओं, समूह बैठकों, स्वास्थ्य शिविरों और स्थानीय भाषाओं में आईईसी सामग्री के वितरण के माध्यम से निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता भी पैदा की जाती है।

इसी प्रकार, केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) 14 राज्यों में 14 संस्थानों (संस्थानों की सूची संलग्न है) के माध्यम से कार्यान्वित जनजातीय स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान कार्यक्रम (टीएचसीआरपी) के जरिए जनजातीय क्षेत्रों में आयुर्वेद स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रदान करती है, जिसमें नैदानिक सेवाएं, स्वास्थ्य सर्वेक्षण और स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं का प्रलेखन शामिल है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान (एनआईएस) ने जनजातीय आबादी को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए दिनांक 02.03.2018 को कोथिमंगलम गांव, थिरुकाझुकुंद्रम तालुक, चेंगलपेट जिले के जनजातीय क्षेत्र में एक ओपी इकाई खोली है।

इन पहलों का सामूहिक उद्देश्य पारंपरिक स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच में सुधार करना, बीमारी की रोकथाम को बढ़ावा देना और जनजातीय समुदायों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना है।

*****

संलग्नक

- **टीएचसीआरपी परियोजना के सीसीआरएएस संस्थानों की सूची:**

क्र. सं.	**संस्थान**	**राज्य का नाम**
1.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर	ओडिशा
2.	एम.एस. क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जयपुर	राजस्थान
3.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, ग्वालियर	मध्य प्रदेश
4.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, विजयवाड़ा	आंध्र प्रदेश
5.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, नागपुर	महाराष्ट्र
6.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरु	कर्नाटक
7.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पटना	बिहार
8.	डॉ. अचंता लक्ष्मीपति क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, चेन्नई	तमिलनाडु
9.	केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गुवाहाटी	असम
10.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, गंगटोक	सिक्किम
11.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, जम्मू	जम्मू और कश्मीर
12.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, पोर्ट ब्लेयर	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह
13.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद	गुजरात
14.	क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान केंद्र, त्रिपुरा	त्रिपुरा